तापमान
अधिकतम 25 .0 डिग्री
न्यूनतम 15 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, बुधवार, 26 फरवरी 2025

11 कैथल : मृदंग कार्यक्रम में छात्राओं ने जमाया रंग

11 1500 मीटर रेस में प्रियंका ने मारी बाजी

खबर संक्षेप

अवैध असलहा के साथ युवक काबू, पूछताछ जारी

जींद। सीआईए स्टाफ ने गांव ईक्कस तथा रामराये के बीच एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से एक पिस्तौल तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। सदर थाना पुलिस ने पकड़े गए युवक से पूछताछ शुरू कर दी है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि गांव ईक्कस तथा रामराय के बीच रजबाहा पटरी पर एक युवक अवैध असलहा के साथ खड़ा हुआ है।

निवेश के नाम पर युवक से 52 हजार रुपये ठगे

कैथल। शहर में एक अज्ञात आरोपी ने निवेश के नाम पर एक युवक से 52 हजार 300 रुपये की ठगी कर ली। इस मामले में युवक ने साइबर थाने में केस दर्ज करवाया है। साइबर थाना में दी गई शिकायत में सीवन निवासी तरुण ने बताया कि कुछ दिन पहले उसने इंस्टाग्राम पर एक विज्ञापन देखा। इसमें ऑनलाइन निवेश के जरिए मोटा मुनाफा कमाने का जिक्र था।

कहासुनी के चलते मारपीट, 5 नामजद

जींद। बारात वापस लौटते समय हुई कहासूनी के चलते हमला कर घायल करने पर पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव अकालगढ़ निवासी नीरज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव के जोगेंद्र के साथ बारात में सोनीपत से वापसी के दौरान कहासुनी हो गई।

प्लॉट बेचने के नाम पर 9 लाख ठगे, केस दर्ज

कैथल। राजौंद नगर में प्लॉट बेचने के नाम पर सरेधा गांव के व्यक्ति से नौ लाख रुपये की धोखाधड़ी कर ली। इस मामले में राजौंद थाना में दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। राजौंद थाना में दी गई शिकायत में सेरधा निवासी जिले सिंह ने राजौंद थाना में दी शिकायत में बताया कि उसने चार जून 2024 को खेड़ी शेरखां निवासी कर्मबीर से राजौंद में एक प्लॉट खरीदा था।

नागरिक अस्पताल में महिला का पर्स चोरी

जींद। नागरिक अस्पताल में दवाई लेने आई महिला के पर्स को चोरी कर एक महिला फरार हो गई। पर्स में दस हजार रुपये की नगदी, सोने की बाली तथा चांदी की पायल थी। सिविल लाइन थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात महिला के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिश्रपुरा निवासी संतोष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दवाई लेने आई हुई थी।

टास्क के नाम पर हडपे एक लाख छह हजार

जींद। ऑनलाइन टास्क को पूरा करने पर अच्छे मुनाफे का झांसा देकर एक लाख छह हजार रुपये हडपने का मामला सामने आया है। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ब्राह्मणवास निवासी बजरंग ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है।

ममेरा भाई बन लगाया एक लाख का चूना

जींद। गांव कंडेला के युवक को लंदन में रह रहे ममेरे भाई बनकर एक लाख रुपये का चूना लगा दिया। साइबर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव कंडेला निवासी विजयपाल ने पुलिस को शिकायत दी है।

एंटी व्हीकल थेफ्ट टीम ने बाइक चोर पकड़ा

कैथल। वाहन चोरों पर एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार लगातार कार्रवाई करते बाइक चोरी करने के मामले की जांच एंटी व्हीकल थेफ्ट प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एचसी अनिल कुमार की टीम द्वारा आरोपी गांव भानपुरा हाल ब्रह्मा कालोनी कैथल निवासी सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया।

10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाओं को लेकर शिक्षा विभाग तैयार

12वीं कक्षा की परीक्षा 27 फरवरी और 10वीं कक्षा की परीक्षा 28 से होगी शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। 12वीं कक्षा की परीक्षा 27 फरवरी और 10वीं कक्षा की परीक्षा 28 फरवरी से शुरू होंगी। जिलेभर से राजकीय और प्राइवेट स्कूलों के दोनों कक्षाओं के लगभग साढ़े 36 हजार विद्यार्थी परीक्षा देंगे। इसमें से 10वीं कक्षा के 21 हजार से अधिक और 12वीं कक्षा के साढ़े 15 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हैं। 10वीं की वार्षिक परीक्षाएं 28 फरवरी से 19 मार्च तक और 12वीं की परीक्षाएं 27 फ रवरी से 29 मार्च तक होगी। परीक्षा का समय दोपहर साढ़े 12 बजे से लेकर साढ़े तीन बजे तक रहेगा। परीक्षा को लेकर जिले में 86 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें से जींद ब्लॉक में 39, नरवाना ब्लॉक में 15, उचाना ब्लॉक में 17 और सफीदों ब्लॉक में 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा को लेकर केंद्र में सीसीटीवी कैमरे भी लगे होने चाहिए। शिक्षा विभाग ने नकल रहित परीक्षा कराने के लिए कड़े प्रबंध किए हैं। विद्यार्थियों को एडमिट कार्ड लेकर स्कूलों में पहुंचना होगा। परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को आधा घंटा पहले पहुंचना होगा। इस दौरान जांच के बाद ही उन्हें प्रवेश दिया जाएगा। दूसरी तरफ परीक्षा को लेकर विभाग ने काम शुरू कर दिया है। अधिकारी केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि परीक्षा से पूर्व सभी प्रबंध दुरुस्त कर ली जाएं। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों, बीआरसीए क्लस्टर हेड और प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं। 12वीं कक्षा की परीक्षा 27 से 27 फरवरी को 12वीं कक्षा की अंग्रेजी, चार मार्च को भौतिक विज्ञान, इकोनामिक्स, पांच मार्च को कृषि, दर्शन शास्त्र, छह मार्च को फाइन आर्ट, दस मार्च को इतिहास, जीव विज्ञान, 12 मार्च को राजनीति शास्त्र, 13 मार्च को कंप्यूटर विज्ञान, आईटीए 15 मार्च को रसायन विज्ञान, अकाउंटेंसी, लोक प्रशासन, 18 मार्च को समाज शास्त्र, 19 मार्च को संस्कृति, उर्दू, बॉयो टेक्नोलॉजी, 20 मार्च को गणित, 21 मार्च को गृह विज्ञान, 22 मार्च को मिलिट्री साइंस, नृत्य, मनोविज्ञान, 24 मार्च को भूगोल, 25 मार्च को म्यूजिक, 26 मार्च को हिंदी, 27 मार्च को एनएसक्यूएफ रिटेल, ऑटोमोटिव, प्राइवेट सिक्योरिटी, हेल्थ केयर, ब्यूटी एंड वैलनेसए टूरिज्म, 28 मार्च को शारीरिक शिक्षा, 29 मार्च को पंजाबी की परीक्षा होगी। 28 फ रवरी को गणित, तीन मार्च को अंग्रेजी, पांच मार्च को संस्कृत, उर्दू, ड्राइंग, कंप्यूटर विज्ञान, कृषि, सात मार्च को हिंदी, 11 मार्च को विज्ञान, 13 मार्च को पंजाबी, 17 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 19 मार्च को एनएसक्यूएफ के अंतर्गत रिटेल, प्राइवेट सिक्योरिटी, ऑटोमोटिव, आईटी, ब्यूटी वैलनेस, शारीरिक शिक्षा, कृषि, टूरिज्म विषय की परीक्षा होगी।

जींद। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय। फोटो :हरिभूमि

सभी तैयारी पूरी : डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी सुमित्रा देवी ने बताया कि सेंटर सुपरीडेंट के साथ बैठक कर बोर्ड परीक्षा नकल रहित कराने के लिए सभी प्रबंध किए गए हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वह पूरी मेहनत से तैयारी करें और अच्छे अंक लेकर परीक्षा उत्तीर्ण करें। मेहनत से ही सफलता हासिल की जा सकती है।

कैथल। मौके पर खडे युवक। फोटो :हरिभूमि

ट्रैक्टर के नीचे दबने से 19 वर्षीय युवक की मौत

- ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ा और वह नाले में पलट गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

शहर के शक्तिनगर स्थित सिल्लाखेड़ा रोड पर सोमवार देर रात नाले में गिरने से 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जानकारी अनुसार युवक सन्नी ट्रैक्टर पर सवार होकर मजदूरी करने के बाद शाम के समय घर वापस लौट रहा था। जैसे ही वह नाले से ट्रैक्टर मोड़ने लगा तो ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ा और वह नाले में पलट गया। इससे युवक ट्रैक्टर के नीचे फंस गया और उसकी मौत हो गई।

सूचना मिलने पर पुलिस व अन्य लोग मौके पर पहुंचे और करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद उसे नाले से बाहर निकाला गया। शक्तिनगर क्षेत्र के पार्षद राज सैनी ने बताया कि सन्नी ट्रैक्टर पर काम करता था। सोमवार रात वह अपने काम से लौट रहा था। जैसे ही वह नाले पर पहुंचा और ट्रैक्टर मोड़ने लगा तो उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रैक्टर समेत नाले में गिर गया। इससे उसकी मौत हो गई। लोगों ने बताया कि सनी के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। वह चार भाई-बहनों में से एक था। यहां पहुंचे लोगों ने बताया कि नाले के साथ सड़क बनी हुई है। इस पर विभाग की ओर से कोई दीवार नहीं बनाई गई है। आए दिन कोई न कोई हादसा होता रहता है। कभी बच्चे इसमें गिर जाते हैं तो कभी उनके वाहन और पशु इसमें गिर जाते हैं। शहर थाना प्रभारी एसएचओ गीता ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौप दिया है।

जेडी 7 पर अंडर पास की धंसी मिट्टी को रोकने के लिए लैंड स्लाइड की टीम बुलाई

चंडीगढ से कल आएगी टीम, 120 मजदूर लगाकर सात हजार मिट्टी के कट्टे लगवाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जेडी 7 पर मिट्टी धंसने के बाद डीसी द्वारा दौरा किए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। अब एचएसआरडीसी विभाग ने चंडीगढ की लैंड स्लाइड टीम से सहायता की मांग की है। यह टीम 27 फरवरी को जेडी 7 पर पहुंचेगी। इस टीम के पहुंचने के बाद यहां के लोगों को राहत मिलेगी। फिलहाल इस समस्या से निपटने के लिए मनरेगा की तरफ से 100 मजदूर व 25 मजदूर ठेकेदार ने लगाए हुए हैं। अभी तक 7000 कट्टे मिट्टी के लगवाए गए है। पिछले चार दिन पहले धंसी मिट्टी के कारण लगभग 20 मकानों का सीधे तौर पर रास्ता रुका हुआ है। इनमें चार परिवार तो मकान को ताला लगाकर कहीं दूसरी जगह शिफ्ट हुए हैं जबकि दो परिवारों के पशु भी उसी दिन से अंदर हैं। मकान में बुजुर्ग महिला व छोटे बच्चे अंदर ही फंसे हैं। इनकी जानकारी मिलने के तीन दिन बाद डीसी, एडीसी, एसडीएम समेत पूरा प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा था। डीसी ने ठेकेदार व एचएसआरडीसी के अधिकारियों को फटकार लगाकर रात 12 बजे तक दोनों मकानों के सामने रास्ता शुरू करने के निर्देश दिए थे और विभागीय अधिकारियों को वहीं पर शिविर लगाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद कार्य ने गति पकड़ी और इन मकानों की सुरक्षा के लिए मिट्टी के कट्टे भरवा कर लगवाने शुरू किए। इसको लेकर एचएसआरडीसी के डीजीएम व एसई ने पहले चरण में खतरनाक स्थिति से निपटने के लिए लैंटर लगाने से लेकर मिट्टी की बरती के काम को गति दी ताकि खतरे को टालकर सामान्य किया जा सके। 150 फीट की दीवार बनने पर हालात होंगे सामान्यः जेडी सात पर जहां मिट्टी धंसी है। वहां पर लगभग 150 फीट तक गहरी खाई में अभी भी हालात खतरे के हैं। इससे निपटने के लिए लैंटर लगाने का काम शुरू किया गया है ताकि मिट्टी को स्पॉट मिले और मिट्टी को खिसकने से रोका जा सके। यहां पर ग्रील भी लगाई गई हैंए ताकि कोई बच्चा व व्यक्ति खाई में न गिरे।बरसात की संभावना के निपटने के लिए बिछाया पॉलिथिन बरसात की संभावना से निपटने के लिए मिट्टी के दोनों तरफ पॉलिथिन बिछाया गया है ताकि बरसात होने पर मिट्टी कटकर तोंद न गिरे। आसमान में छाए बादलों से बरसात होने का डर है। मौसम विभाग ने भी आगामी दो दिनों में बरसात होने की संभावना जताई है। इससे पहले ही व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

बरसात में मिट्टी न धंसे इसके लिए पॉलिथिन लगाकर किया जा रहा काम

जींद। राहत कार्य में लगे श्रमिक। फोटो :हरिभूमि

दिन व रात चलेगा काम

डीजीएम एचआरडीसी शशांक ने बताया कि मिट्टी की तोंड व नाला गिरने से जो परेशानी यहां के लोगों को हुई है। उससे निपटने के लिए दिन रात काम शुरू करवाया गया है ताकि जल्द ही यहां के हालातों को सुधारा जा सके। फिलहाल 125 मजदूरों को काम पर लगाया है। 27 फरवरी को लैंड स्लाइड की टीम पहुंच जाएगी। इसके बाद हालात सामान्य हो जाएंगे।

एडीसी ने किया निरीक्षण

एडीसी विवेक आर्य ने जेडी 7 पर मिट्टी धंसने से पैदा हुए संकट से लोगों को राहत दिलवाने के लिए दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जल्द से जल्द हर तरह की स्थित से निपटने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो भी व्यवस्थाएं करनी हैं। वह तुरंत करें कार्य में ढिलाई किसी भी तरह से सहन नहीं की जाएगी।

दस साल से फरार चोरी का आरोपित गिरफ्तार

जींद। सदर थाना पुलिस ने लगभग दस साल पहले चोरी के मामले मे फरार चल रहे उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार कर अदालत मे पेश किया। जहां से अदालत ने आरोपित को न्यायिक हिरासत मे जेल भेज दिया। गांव रधाना निवासी देवेंद्र ने 26 जुलाई 2014 को पुलिस को शिकायत में बताया था कि रात को चोर उसके घर का ताला तोड़ कर अंदर घुस गए और सोने का रानी हार, बाली, झुमका, टॉप्स, ताबीज समेत चादी के जेवर तथा नगदी को चोरी कर लिया। सदर थाना पुलिस ने देवेंद्र की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया था। बाद मे पुलिस ने श्याम कालोनी निवासी मुकेश को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस जांच में गोपी राम ढाणी गहलब जिला पलवल निवासी गोपीसिंह, धोलपुर मध्यप्रदेश निवासी राकेश व नरेश के नाम सामने आए थे। वारदात के बाद तीनों आरोपित भूमिगत हो गए। 31अगस्त 2019 को आरोपित गोपी सिंह को अदालत ने पीओ घोषित कर दिया। सुचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गोपी सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया।

सीएम फ्लाइंग की नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र पर छापेमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीएम फ्लाइंग ने स्वास्थ्य विभाग के साथ मिल कर मंगलवार को नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र पर कानिरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नशीली दवाओं का रिकार्ड सही नही मिला। जिस पर जांच रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय भेज दी है। सीएम फ्लाइंग टीम के इंस्पेक्टर विजेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम नरवाना रोड स्थित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र पर पहुंची। टीम में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से डा. संकल्प डोडा, औषधि नियंत्रक गीत गोयल टीम के साथ मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान नशीली दवाइयों का रिकॉर्ड सही नहीं पाया गया। इसके अलावा व्यवस्थाएं ठीक नही मिली। जिस पर औषधि नियंत्रक गीता इस मामले की रिपोर्ट तैयार करेगी। वहीं निरीक्षण के दौरान मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर की विजिट भी 21 फरवरी के बाद नहीं पाई गई है। इसके लिए विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार की गई। सीएम फ्लाइंग टीम के इंस्पेक्टर विजेंद्र सिंह ने बताया कि नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र पर निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के दौरान अनेक खामियां मिली है। जिसकी रिपोर्ट तैयार की गई है। आगामी कार्रवाई स्वास्थ्य विभाग अमल में लाएगा।

कैथल। मिठाई की दुकान पर छापेमारी करते टीम के अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मिठाइयों के लिए सैंपल

कैथल। शहर पटेल बाजार में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार एक मिठाई के गोदाम पर दबिश और मिठाइयों के सैंपल लिए। यह दबिश एक शिकायत मिलने के बाद की गई। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. पवन चहल ने बताया कि विभाग को मिलावट को लेकर शिकायत मिली थी। इसमें गोदाम के कारण आसपास गंदगी व बदबू फैलने का हवाला दिया गया था। कहा था कि गली में कीचड़ और सीवरेज ब्लॉक रहते हैं। कीचड़ के कारण फिसलकर लोग चोटिल होते हैं। गोदाम में जो मिठाइयां तैयार की जाती हैं, वे भी स्वास्थ्य के मापदंडों अनुसार सही नहीं हैं। इसके बाद विभाग की ओर से कार्रवाई करते हुए मिठाइयों के सैंपल लिए। मौके पर यह भी पता चला कि इस कैटरिंग वाले में विभाग से अनुमति नहीं ले रखी थी। यह अवैध रूप से मिठाई बनाने का काम कर रहा था। सैंपल जांच के लिए लेब भेज दिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

चाकू से हमला कर पशु व्यापारी से 20 हजार लूटे

जींद। न्यू बाईपास बस अड्डे के निकट जलेबी चौक पर बाइक सवार दो युवकों ने गौरक्षक बता कर भैंस लोड पिकअप गाड़ी को रूकवाया। फिर पशु व्यापारी से बीस हजार रुपये की नगदी लूट ली। चालक ने विरोध किया तो आरोपितो ने उस पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने घायल चालक की शिकायत पर अज्ञात दो युवकों के खिलाफ लूट तथा जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डबावाली सिरसा निवासी रमेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव नजीबाबाद बिजनौर यूपी निवासी पशु व्यापारी रजाउल की दो भैंस पिकअप गाड़ी में लोड कर बिजनौर के लिए रवाना हुआ था। जब वे न्यू बस अड्डे के नजदीक गोहाना रोड जलेबी चौक पर पहुंचे तो पीछे से आए बाइक सवार दो युवकों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया था।

मतदान में नियुक्त चुनाव अधिकारियों की भूमिका सबसे अहम

नप चुनाव को लेकर पोलिंग पार्टियों की रिहर्सल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। ईवीएम मशीनों की जानकारी देते हुए। फोटो :हरिभूमि

नगर पालिका सफीदों के वार्ड नंबर 14 में उप चुनाव व नगर पालिका जुलाना के चुनाव को शांतिपूर्णएनिष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाने के लिए मंगलवार को पीठासीन अधिकारी एवं पोलिंग पार्टियों की स्थानीय डीआरडीए हॉल में रिहर्सल करवाई गई। जिसकी अध्यक्षता जुलाना के रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम होशियार सिंह ने की। डीआरडीए हॉल में आयोजित इस रिहर्सल में चुनाव प्रक्रिया की बारीकियां समझाई गई। इस दौरान ईवीएम मास्टर ट्रेनर डा. सूरजमल ने सभी पीठासीन अधिकारी एवं पोलिंग पार्टियों को उनके प्रत्येक कार्य और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रिहर्सल में पोलिंग पार्टियों को ईवीएम व वीवीपैट मशीनों के संचालन के बारे में भी समझाया गया व उन्हें मौके पर ही हैंड्सऑन ट्रेनिंग भी दी गईं। जुलाना के रिटर्निंग अधिकारी होशियार सिंह ने कहा कि चुनाव के दौरान पीठासीन अधिकारी एवं पोलिंग पार्टियों जरा सी भी चूक न करें। सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी की गंभीरता को समझें।

उन्होंने कहा कि पीओ हैंडबुक में वे सारी हिदायतें व नियम लिखे हैं, जिनकी जानकारी चुनाव करवाने वाले अधिकारी को होनी जरूरी है। मतदान के लिए बूथों पर महिलाओं व पुरुषों की अलग-अलग लाइनें लगवाई जाएं और एक पुरुष के बाद दो महिलाओं को वोट डालने के लिए भीतर भेजा जाए। निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव करवाने में उनकी भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होगी। इसलिए वे मतदान से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को अच्छी प्रकार से समझें और सभी नियमों की पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। उन्होंने बताया कि दो मार्च को नगर पालिका चुनाव का मतदान होगा। इससे पूर्व पोलिंग एजेंट्स की मौजूदगी में मोक पोल करवाया जाएगा।

राजौंद। गांव खुरडा की कच्ची फिरनी का दृश्य। फोटो :हरिभूमि

कच्ची फिरनी को लेकर लोगों ने रोष प्रकट किया

राजौंद। राजौंद नगर पालिका के वार्ड नंबर 5 गांव खुरडा में 20 वर्षों से भी ज्यादा समय से कच्ची फिरनी को लेकर लोगों ने रोष प्रकट किया है। आलम यह है की फिरनी से पैदल निकलना भी मुश्किल होकर रह गया है। लोगों के लिए कच्ची फिरनी मुसीबत बनी हुई। यहां से किसी का भी खाली गुजरना खतरे से खाली नहीं है। इस बारे खुरडा निवासी पूर्व पंच सुभाष, कृष्ण कुमार,संजय शर्मा,विजय कुमार ने बताया कि कहने को तो यह राजौंद नगर पालिका का वार्ड नंबर पांच है। लेकिन यहां समस्या मुंह बाए खड़ी है। इन लोगों ने बताया कि जिन लोगों के घर इस फिरनी के आसपास पड़ते हैं उनका जीवन तो नर्क बनकर रह गया है। थोड़ी सी बरसात हो जाए तो यहां से खाली निकलना भी मुश्किल हो जाता है। उन्होंने बताया कि कई बार प्रशासन से मांग की कि यहां फिरनी को पक्का किया जाए। लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिससे लोगों के लिए यह एक गंभीर समस्या पिछले 20 वर्षों से बनी हुई है।

सोना या शेयर... कहां पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद

- दोनों के 20 साल के रिटर्न से समझें पूरी रणनीति
- सोने की कीमतों में 2023-2025 में बढ़ोतरी जारी
- भू-राजनीतिक तनाव से कीमतें प्रभावित हुई
- सोने व सेंसेक्स ने पिछले 20 वर्षों में समान रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

वर्ष 2023 से सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखी गई है, जो 2025 में भी जारी है। ये बढ़ोतरी भू-राजनीतिक तनावों, मुद्रास्फीति और शेयर बाजार की गिरावट के कारण हुई है। पिछले 20 वर्षों में सोना और सेंसेक्स ने समान रिटर्न दिया है, जिससे दोनों निवेशों की अहमियत स्पष्ट होती है। सोना रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2023 और 2024 में सोने की कीमतों में 13% और 27% की बढ़ोतरी देखी गई। 2025 में भी यह तेजी जारी है। अब तक इससे लगभग 10% का रिटर्न मिल चुका है। इस सोने की दौड़ के पीछे कई कारण हैं। इनमें बढ़ती महंगाई, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और शेयर बाजार में गिरावट शामिल हैं। ऐतिहासिक रूप से सोने को इन जोखिमों से बचाव का सबसे अच्छा तरीका माना जाता रहा है।

इस बात को भूल जाते हैं लोग

अंतराष्ट्रीय सोने की कीमत अमेरिकी डॉलर में होती है। डॉलर में किसी भी मजबूती का मतलब भारतीय रुपये में कमजोरी है। ऐतिहासिक रूप से रुपये ने डॉलर के मुकाबले मूल्य खोया है। इसलिए जब रुपया कमजोर होता है तो सोने का मूल्य बढ़ता है। यह सोने के भारतीय रुपये-मूल्यवर्ग के रिटर्न को बढ़ाता है। भारतीय निवेशकों के लिए सोने में अतिरिक्त रिटर्न (सालाना 2% और 3% के बीच) रुपये के अवमूल्यन से आया है।

इसलिए डायवर्सिफिकेशन जरूरी : सोना और स्टॉक अलग-अलग प्रकार के निवेश हैं, उन्होंने दो दशकों में समान रिटर्न प्रदान किया है। एक दूसरे से बेहतर हैं या नहीं यह बाजार की स्थितियों, जोखिम की भूख और निवेश लक्ष्यों पर निर्भर करता है। इक्विटी और बॉन्ड के साथ सोने में अच्छा निवेश कॉन्सेंट्रेशन रिस्क को कम करते हुए पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान करता है। कुल मिलाकर आपके एसेट एलोकेशन के हिस्से के रूप में दोनों का सही अनुपात में होना जरूरी है।

सोने में तेजी की वजह क्या

2020 के बाद भू-राजनीतिक तनाव ने सोने की कीमतों को हवा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दरों में कटौती के अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-हमास संघर्ष और चीन-ताइवान के बीच बढ़ते तनाव के चलते सोने की कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में वापसी से वैश्विक अनिश्चितता बढ़ गई है। ट्रंप की टैरिफ नीतियां व्यापार युद्ध शुरू कर सकती हैं। इसका वैश्विक मुद्राओं पर महत्वपूर्ण असर पड़ेगा। सोने का भाव देश में 89 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है। कुछ समय पहले बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स भी 25 सितंबर, 2024 को पहली बार 85,000 के स्तर को पार कर गया था। सेंसेक्स 27 सितंबर, 2024 को 85,978 के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। यह 85,571 पर बंद हुआ था, जो अब तक का सबसे ऊंचा लेवल है। आइए देखते हैं कि पिछले 20 वर्षों में रिटर्न के मामले में दोनों में किसने बाजी मारी है।

किसने मारी बाजी

2005 में सेंसेक्स 8,000 पर था। वहीं, सोना लगभग 7,000 रुपये प्रति 10 ग्राम था। 2025 में सोना और सेंसेक्स (29 सितंबर, 2024) दोनों 85,000 रुपये को पार कर गए। दोनों के बीच यह स्तर छूने में चार महीने का अंतर रहा। हालांकि, एक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट व्यू ऐसे अंतरों को दूर करता है। चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) फॉर्मूला का इस्तेमाल करते हुए दोनों एसेट्स ने पिछले 20 सालों में 12% से 13% का वार्षिक रिटर्न दिया है। क्या यह एक अद्भुत संयोग नहीं है? लेकिन एक बात है, जिसे लोग अक्सर भूल जाते हैं।

एसबीआई जन निवेश की 250 रुपये वाली एसआईपी कितनी बेहतर होगी

- इस योजना में कितना मिलेगा रिटर्न, किस स्कीम में जाएंगे आपके पैसे
- निवेश करने से पहले इस स्कीम के पिछले आंकड़े जांचे

तैयारी
बिजनेस डेस्क

एसबीआई म्यूचुअल फंड ने हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ मिलकर जन निवेश एसआईपी लॉन्च की है, जिसके जरिये सिर्फ 250 रुपये की मंथली एसआईपी से निवेश की शुरूआत की जा सकती है। इसे म्यूचुअल फंड में निवेश को आम लोगों के बीच और पॉपुलर बनाने वाला कदम बताया जा रहा है। जो लोग इस जन निवेश एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में पैसे लगाना चाहते हैं, उनके मन में पहला सवाल होगा कि इसमें निवेश करने पर कितना रिटर्न मिलने की उम्मीद की जा सकती है। इस सवाल का जवाब जानने के लिए सबसे पहले तो यह मालूम होना चाहिए कि जननिवेश एसआईपी के जरिये जमा की जाने वाली हर रकम एसबीआई म्यूचुअल फंड की किस स्कीम में लगाई जाएगी। इसके बाद उस स्कीम के पिछले रिटर्न के आंकड़े यह अंदाजा लगाने में मदद करेंगे कि निवेश करने पर कितना रिटर्न मिलने की संभावना हो सकती है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में जाएगी रकम

सबसे पहले बता दें कि जन निवेश एसआईपी से मिलने वाली सारी रकम एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में निवेश की जाएगी, जो एसबीआई म्यूचुअल फंड की एक हाइब्रिड स्कीम है। जैसा कि नाम से जाहिर है, यह एक बैलेंस्ड एडवांटेज फंड है, जिसे हाइब्रिड म्यूचुअल फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड भी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का ही दूसरा नाम है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की क्या है खूबी

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड या डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसके जरिये निवेशकों के पैसों को बाजार की परिस्थितियों के हिसाब से इक्विटी और डेट में डायनैमिक ढंग से इनवेस्ट किया जाता है। सेबी के नियमों के तहत बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट दोनों की हिस्सेदारी 0 से 100 फीसदी तक कुछ भी हो सकती है। किस वक्त किस एसेट क्लास में कितने पैसे लगाने हैं, यह फैसला पूरी तरह फंड मैनेजर की समझदारी से किया जाता है. अगर मैनेजर को लगता है कि इक्विटी में रिटर्न गिरने वाला है, तो वह फंड को इक्विटी से डेट की तरफ ट्रांसफर कर सकता है और अगर शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की गुंजाइश नजर आती है, तो वह इक्विटी में फंड एलोकेशन बढ़ा सकता है। यानी इस हाइब्रिड फंड में पैसे लगाने पर निवेशकों को इक्विटी और डेट दोनों में निवेश का फायदा मिलने की उम्मीद रहती है। यही वजह है कि इसे संतुलित रिटर्न देने वाली स्कीम माना जाता है।

एसआईपी से जुड़े सात सवाल जवाब में छिपी फायदे की बात

- एसआईपी के जरिये किए गए निवेश से पूरा फायदा मिलेगा
- आप निवेश की इस रणनीति पर सही ढंग से अमल कर पाएंगे
- रिटेल इनवेस्टर बड़े पैमाने पर एसआईपी के जरिये करते हैं निवेश, इसमें नुकसान का कम रहता है जोखिम
- थोड़े-थोड़े करके पैसे डालने पर टाइमिंग से जुड़ा रिस्क कम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक पॉपुलर तरीका है। रिटेल इनवेस्टर बड़े पैमाने पर एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाते हैं, लेकिन क्या ज्यादातर निवेशक एसआईपी के जरिये निवेश की रणनीति को ठीक से समझते हैं? पिछले दिनों शेयर बाजार में गिरावट के दौरान अधिकांश फंड्स के एसआईपी रिटर्न भी घटे। उस पर निवेशकों के बीच जिस तरह से घबराहट देखने को मिली और लोग एसआईपी को कटघरे में खड़ा करने लगे, उसे देखकर तो यही लगता है कि इस बारे में और अधिक समझदारी बनाने की जरूरत है। अगर रिटेल निवेशकों को एसआईपी के जरिये निवेश का पूरा फायदा उठाना है, तो उनके लिए निवेश के इस तरीके को सही संदर्भ में समझना और उससे जुड़ी गलतफहमियों को दूर करना जरूरी है।

एसआईपी क्या एक अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट है

बहुत सारे इनवेस्टर एसआईपी को एक अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट समझ लेते हैं. जबकि सच ये है कि एसआईपी कोई अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट नहीं है। दरअसल, सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान किसी भी म्यूचुअल फंड में डिसिप्लिन के साथ रेगुलर इनवेस्टमेंट करने का एक तरीका है। ऐसा तरीका, जो निवेश करने की प्रक्रिया को आम निवेशकों के लिए आसान और सुविधाजनक बना देता है। साथ ही इसके जरिये रेगुलर इनवेस्टमेंट का डिसिप्लीन यानी अनुशासन भी मेंटेन किया जा सकता है। एसआईपी का मतलब है, आपके चुने हुए इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट यानी म्यूचुअल फंड स्कीम में, पहले से तय अंतर पर (मसलन, हर महीने या 3 महीने में) एक निश्चित रकम निवेश करना यानी इसमें एक फिक्स्ड रकम, पहले से तय फ्रीक्वेंसी के हिसाब से आपके चुने हुए म्यूचुअल फंड में निवेश कर दी जाती है। यानी असल में आपका फंड या चुनी हुई स्कीम ही इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट है, जबकि एसआईपी तो सिर्फ उसमें पैसे लगाने का एक सुविधाजनक और बेहतर तरीका है।

एसआईपी क्या एक अलग एसेट क्लास

नहीं। एसआईपी कोई अलग एसेट क्लास नहीं है, लेकिन एसआईपी के जरिये आप अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करने वाले फंड्स में पैसे जरूर लगा सकते हैं। मिसाल के तौर पर अगर आप गोल्ड फंड में एसआईपी करते हैं, तो आपके पैसे उस फंड के जरिये गोल्ड में निवेश होते हैं। यानी एसआईपी कोई अलग एसेट क्लास नहीं, बल्कि इनवेस्टमेंट का तरीका है। कुछ-कुछ वैसे ही, जैसे पोस्ट ऑफिस या बैंक में आप रिकरिंग डिपॉजिट के जरिये पैसे जमा करते हैं।

एसआईपी से तय होता है कम या ज्यादा रिटर्न

एसआईपी के जरिये किए जाने वाले निवेश पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा, यह उस फंड के परफॉर्मेंस से तय होता है, जिसमें आप पैसे डाल रहे हैं। एसआईपी को निवेश का बेहतर तरीका इसलिए माना जाता है, क्योंकि इसमें निवेश की टाइमिंग का टेंशन नहीं रहता है। यानी एक साथ पूरे पैसे लगाने की तुलना में एसआईपी के जरिये थोड़े-थोड़े करके पैसे डालने पर इनवेस्टमेंट की टाइमिंग से जुड़ा रिस्क कम हो जाता है। इसका फायदा लंबे अरसे में मिलता है. लेकिन ऐसा नहीं कहा जा सकता कि एसआईपी के जरिये निवेश करने पर मिलने वाला रिटर्न लंपसम यानी एकमुश्त निवेश के रिटर्न से हमेशा ज्यादा या कम ही होगा। इसकी वजह ये है कि लंपसम इनवेस्टमेंट का रिटर्न किसी हद तक निवेश की टाइमिंग पर भी निर्भर रहता है। एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में पैसे लगाने पर रिटर्न की कोई गारंटी भी नहीं होती। इसका रिटर्न पूरी तरह उस म्यूचुअल फंड स्कीम के प्रदर्शन पर निर्भर है, जिसे आपने सेलेक्ट किया है।

एसआईपी क्या सिर्फ छोटे निवेशकों के लिए

एसआईपी की बड़ी खूबी है कि आप इसके माध्यम से हर महीने सिर्फ 500 रुपये या उससे भी छोटी रकम से भी निवेश की शुरुआत कर सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं कि एसआईपी सिर्फ छोटे निवेशकों के लिए है। सच तो यह है कि एसआईपी में इनवेस्टमेंट की कोई अपर लिमिट यानी ऊपरी सीमा नहीं होती। इसलिए बड़ी पूंजी लगाने वाले हाई नेटवर्थ निवेशक भी एसआईपी के जरिये निवेश करते हैं। उनकी एसआईपी में दिलचस्पी इसलिए रहती है, क्योंकि इसके जरिये पैसे लगाने पर बाजार के उतार-चढ़ाव से फायदा होता है। मार्केट चढ़ने पर एसआईपी की रकम में कम यूनिट्स मिलती हैं, लेकिन जब बाजार गिरता है, तो एसआईपी के उसी फिक्स अमाउंट में ज्यादा यूनिट्स मिल जाती हैं। इस तरह लंबे अरसे के दौरान निवेश की एवरेज प्रति यूनिट कॉस्ट कम हो जाती है। इसी को रुपी-कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है, जो एसआईपी की सबसे बड़ी खूबी है।

एसआईपी क्या सिर्फ इक्विटी फंड्स के लिए

ऐसा सोचना सही नहीं है कि एसआईपी के जरिये सिर्फ इक्विटी फंड्स में ही निवेश किया जा सकता है। एसआईपी का इस्तेमाल आप डेट फंड्स या हाइब्रिड फंड्स से लेकर गोल्ड फंड तक, किसी भी म्यूचुअल फंड स्कीम में पैसे लगाने के लिए कर सकते हैं। डेट फंड्स में एसआईपी के जरिये इनवेस्ट करना, कुछ-कुछ वैसा ही है, जैसे बैंक या पोस्ट ऑफिस के रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) में पैसे लगाना। डेट फंड्स में आमतौर पर इक्विटी फंड्स के मुकाबले ज्यादा स्टेबल रिटर्न मिलते हैं। इसलिए डेट फंड में एसआईपी करना उन निवेशकों के लिए बेहतर रहता है, जो ज्यादा रिस्क नहीं लेना चाहते या जो शॉर्ट टर्म के लिए निवेश करना चाहते हैं।

एसआईपी के साथ क्या हमेशा लॉक इन पीरियड जुड़ा होता

टैक्स सेविंग इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स (ईएलएसएस) में किए गए निवेश पर 3 साल का लॉक-इन पीरियड लागू होता है, जबकि रिटायरमेंट फंड्स और चिल्ड्रेंस फंड्स में 5 साल का लॉक-इन होता है। यह लॉक-इन इन स्कीम्स में एसआईपी के जरिये निवेश करने पर भी लागू रहता है, लेकिन बाकी ज्यादातर ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड्स में आप अपने निवेश को कभी भी निकाल सकते हैं, अगर आप एसआईपी शुरू करने के बाद किसी वजह से उसे बीच में रोकना यानी पॉज करना चाहते हैं, तो आप यह काम भी बड़ी आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए आपको कोई एक्सट्रा फीस भी नहीं देनी पड़ती है। आप अपनी जरूरत के हिसाब से कुछ यूनिट्स भी बेच सकते हैं। ऐसा करते समय एग्जिट लोड और मुनाफे पर लागू टैक्स की जानकारी जरूर कर लेनी चाहिए। एग्जिट लोड यूनिट्स के होल्डिंग पीरियड के हिसाब से अलग-अलग लगता है।

एसआईपी का 1 साल का रिटर्न देखकर राय बनाना कितना सही

एसआईपी के जरिये किए गए निवेश पर सिर्फ 6 महीने या 1 साल का रिटर्न देखकर राय बनाना सही नहीं है। इक्विटी फंड्स की एसआईपी के मामले में यह बात समझना और भी जरूरी है। दरअसल, इक्विटी फंड्स में एसआईपी करने वालों को हमेशा यही सलाह दी जाती है कि उन्हें 5 साल या उससे भी ज्यादा समय के लिए एसआईपी करने पर फोकस करना चाहिए, क्योंकि इनवेस्टमेंट पर एवरेजिंग और कंपाउंडिंग का पूरा फायदा लेने के लिए ऐसा करना बेहतर रहता है। हालांकि अपने निवेश के उद्देश्य और इनवेस्टमेंट होराइजन के हिसाब से आप कम समय के लिए भी एसआईपी कर सकते हैं.लेकिन उसके लिए सही स्कीम या फंड का सेलेक्शन जरूरी है। उदाहरण के लिए अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन या शॉर्ट ड्यूरेशन फंड जैसे डेट फंड को शॉर्ट टर्म एसआईपी के लिए बेहतर माना जाता है। लेकिन अगर आप स्मॉल कैप या मिड कैप जैसे किसी इक्विटी फंड में एसआईपी शुरू करने के बाद अगले 6 महीने या एक साल में शानदार रिटर्न की उम्मीद करने लगते हैं, तो जरूरी नहीं कि ऐसा हो।

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का लंपसम रिटर्न

- 1 साल का रिटर्न : 9.9%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 12.69%
- लॉन्च से अब तक का औसत सालाना रिटर्न : 11.63%

ऐसा है फंड

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का बेंचमार्क निफ्टी-50 हाइब्रिड कंपोजिट डेबट 50:50 इंडेक्स है, जिसका 1 साल का रिटर्न 9.23%, 3 साल का 9.48% और लॉन्च से अब तक रिटर्न 8.67% रहा है. रिटर्न के ये आंकड़े एसबीआई म्यूचुअल फंड की वेबसाइट से लिए गए हैं। 31 जनवरी 2025 को स्कीम का एक्सपेंस रेशियो रेगुलर प्लान के लिए 1.57% और डायरेक्ट प्लान के लिए 0.69% था. एसबीआई म्यूचुअल फंड की इस स्कीम का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 18 फरवरी 2025 तक अपडेटेड आंकड़ों के मुताबिक 32,953.27 करोड़ रुपये था।

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का एसआईपी रिटर्न

- 1 साल का एसबीआई रिटर्न (एन्युलाइज्ड) : 0.99% (रेगुलर प्लान), 1.92% (डायरेक्ट प्लान)
- 3 साल का एसबीआई रिटर्न (एन्युलाइज्ड): 12.55% (रेगुलर प्लान), 13.6% (डायरेक्ट प्लान)

ऐसे कर सकते हैं निवेश

जननिवेश स्कीम को लॉन्च किए जाने से पहले एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में मिनिमम एसआईपी अमाउंट 500 रुपये था, लेकिन अब नई पहल के तहत इसमें मिनिमम 250 रुपये की एसआईपी से भी निवेश की शुरुआत की जा सकती है। नई पहल के तहत एसबीआई म्यूचुअल फंड की इस स्कीम में एसबीआई योनो ऐप के अलावा पेटीएम, जिरोधा और ग्रो जैसे डिजिटल फिनटेक प्लेटफॉर्म के जरिये भी निवेश किया जा सकता है। इससे इनवेस्टर अपने मोबाइल से ही एसबीआई की शुरुआत कर पाएंगे।

पिछला रिटर्न भविष्य की गारंटी नहीं

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के पिछले रिटर्न के आंकड़े देखकर आप इस स्कीम के अब तक के प्रदर्शन का अंदाजा लगा सकते हैं. लेकिन म्यूचुअल फंड्स में पिछले प्रदर्शन के भविष्य में भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। फिर भी पिछले प्रदर्शन के आधार पर फंड मैनेजमेंट के बारे में कुछ अनुमान तो लगाया ही जा सकता है। इक्विटी में बड़े एक्सपोजर की गुंजाइश वाले एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को रिस्कोमीटर पर हाई रिस्क वाला माना गया है।

निवेश करने के तुरंत बाद मेरे निवेश में गिरावट क्यों हो जाती है शुरू

सुझाव
संदीप वालुंज

निवेश करने के लिए सही समय की भविष्यवाणी करना लगभग असंभव है, इसके बजाय, निवेशित और सुसंगत रहने पर ध्यान केंद्रित करना सबसे बेहतर रहता है।

कई बार यह देखने में आता है कि आप निवेश करें यानी बाजार में पैसा लगाएं और एकदम गिरावट शुरू हो जाए। यह निराशाजनक महसूस करता है जब म्यूचुअल फंड या स्टॉक आपके निवेश के तुरंत बाद गिरने लगते हैं। हालांकि यह दुर्भाग्य की तरह लग सकता है, कई परिहार्य कारक इसमें योगदान करते हैं। निवेशक व्यवहार का दलबार मात्रात्मक विश्लेषण (क्यूएआईबी) लगातार दिखाता है कि व्यक्तिगत निवेशक व्यापक बाजार से कम प्रदर्शन करते हैं। यह काफी हद तक है क्योंकि वे निवेश करने से पहले स्पष्ट संकेतों या सकारात्मक गति की प्रतीक्षा करते हैं, अक्सर गलती करने या लाभ से चूकने के डर से प्रेरित होते हैं। जब तक वे रनिश्चितर महसूस करते हैं, तब तक बाजार पहले से ही वृद्धि में कीमत लगा चुका होता है, जिससे आगे तत्काल ऊपर की ओर बहुत कम गुंजाइश बचती है। इस प्रवृत्ति और निवेश के परिणामों पर इसके प्रभाव को व्यवहारिक वित्त अनुसंधान द्वारा उजागर किया गया है।

झुंड मानसिकता

निवेशक अक्सर दूसरों का अनुसरण करते हैं जब वे बढ़ती कीमतों को देखते हैं, यह सोचकर कि यह सुरक्षा का संकेत है। इससे बाजार की चोटियों के समय बड़े पैमाने पर निवेश हो सकता है जब आशावाद उच्चतम होता है, जिससे बाद में करेक्शन की संभावना बढ़ जाती है।

रीसेंसी बायस

लोग हाल के प्रदर्शन को अनुचित वजन देते हैं। जब कोई स्टॉक या फंड अच्छा प्रदर्शन कर रहा होता है, तो यह रसुरक्षितर निवेश की तरह लगता है; और लोग जोखिम रेटिंग को अनदेखा करते हैं। जोखिम से बचने वाले कई निवेशक स्मॉलकैप में तब निवेश करते देखे जाते हैं, जब वे काफी ऊपर चढ़ जाते हैं।

नुकसान का डर (जोखिम से बचना)

निवेशक निवेश करने में संकोच करते हैं जब बाजार अनिश्चित या अस्थिर होते हैं, स्थिरता के संकेतों की प्रतीक्षा करते हैं। दुर्भाग्य से, जब तक वे कदम उठाने का सोचते हैं, तब तक विकास की संभावना का एक बड़ा हिस्सा पहले ही घटित हो चुका होता है।

मार्केट टाइमिंग बायस

बाजार स्वाभाविक रूप से अस्थिर हैं, और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव सामान्य हैं। यदि आप बाजार के शिखर के दौरान या मूल्यांकन अधिक होने पर निवेश करते हैं, तो एक करेक्शन का पालन किया जा सकता है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि आपका निवेश गिरावट का कारण बना।

मीन रिवर्सन

मोमेंटम अक्सर शॉर्ट टर्म में स्टॉक या फंड को चलाता है, लेकिन इसका मतलब है कि रिवर्सन (औसत प्रदर्शन पर लौटना) अक्सर मध्यम अवधि में किक करता है. गति का पीछा करने वाले निवेशक इस स्थिर रूप से सामान्य घटना को 'निवेश के तुरंत बाद अंडरपरफॉर्मेंस' कह सकते हैं

दूसरों द्वारा लाभ लेना

जब स्टॉक बहुत तेजी से बढ़ते हैं, तो निवेशकों द्वारा लाभ लेने से गिरावट आ सकती है. उदाहरण के लिए, संस्थागत निवेशक अक्सर पोर्टफोलियो को पुनर्संतुलित करते हैं, ओवरवैल्यूड एसेट बेचते हैं और अंडरवैल्यूड खरीदते हैं. और चूंकि उनके पोर्टफोलियो बड़े हैं, इसलिए यह अक्सर गिरावट की ओर जाता है।

इस घटना से कैसे बचें

- **फंडामेंटल के आधार पर इन्वेस्ट करें** : हाल के प्रदर्शन या रुझानों के बजाय किसी परिसंपत्ति के आंतरिक मूल्य पर ध्यान दें। वैल्यूएशन, अर्निंग ग्रोथ या सेक्टर आउटलुक जैसे मेट्रिक्स का इस्तेमाल करके म्यूचुअल फंड या स्टॉक्स का मूल्यांकन करें।
- **सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का उपयोग करें** : एकमुश्त निवेश करने के बजाय, एसआईपी आपको समय-समय पर निवेश करने की सुविधा देता है, जिससे बाजार की अस्थिरता का प्रभाव कम होता है।

अनुसंधान और विविधता

केवल पिछले प्रदर्शन पर भरोसा करने से बचें। इसके अलावा, एक क्षेत्र में खराब समय के प्रभाव को कम करने के लिए अपने निवेश को परिसंपत्ति वर्गों, क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों में निवेश करे

निवेश योजना पर टिके रहें

निवेश को अपने लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के साथ संरेखित करें। अल्पकालिक परिवर्तनों के लिए भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया करने से बचें।

'टाइमिंग द मार्केट' के प्रलोभन से बचें

निवेश करने के लिए सही समय की भविष्यवाणी करना लगभग असंभव है। इसके बजाय, निवेशित और सुसंगत रहने पर ध्यान केंद्रित करें। समय के साथ, अनुशासित और सूचित निवेश आपको इन अल्पकालिक रडिप्स से बाहर निकलने और अपने वित्तीय उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा। जैक बोगल के शब्दों को दोहराते हुए, मैं निवेशकों से यह कहते हुए अपनी बात समाप्त करूंगा: 'अस्थिरता आपका मित्र है, आवेग आपका शत्रु है'।

(लेखक मोतीलाल ओसवाल फायनांशियल सर्विसेस लिमिटेड के ग्रुप चीफ मार्केटिंग ऑफिसर हैं।)

खबर संक्षेप

एसडी स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

जींद। एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल घिमाना में शिवरात्रि पर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय की बच्चों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्रबंधक सत्यवान नेहरा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके बाद बच्चों द्वारा अपने-अपने एक्ट की प्रस्तुति दी गई।

सीआरएसयू में दो कार्यशाला संपन्न

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि के अंग्रेजी विभाग के द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। दूसरे दिन प्रातःकालीन सत्र में रिसोर्स पर्सन डा. सोनिया ने किया। जिन्होंने विभिन्न सिद्धांतों जैसे कि पोस्ट मॉडर्निज़्म, पोस्ट कोलोनिसुम, फेमिनिज्म, इको क्रिटिसिज्म को लेकर चर्चा और अपने अनुभव को सांझा किया। उन्होंने लिटरेसी क्रिटिसिज्म और थ्योरी के बारे में बताते कहा कि साहित्यिक सिद्धांतए साहित्य का विश्लेषण करने के लिए इस्तेमाल होने वाले विचारों और विधियों का समूह है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आठ मार्च को

जींद । हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आठ मार्च को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जींद स्थित न्यायिक परिसर व उपमंडल स्तर पर नरवाना व सफीदों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम मोनिका ने बताया कि आपसी समझौते से हल हो सकने वाले मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत काफी कारगर साबित हो रही है।

युवती को घर बुला दुष्कर्म की कोशिश

जींद। सदर थाना नरवाना इलाके में युवती को घर बुला दुष्कर्म करने की कोशिश करने तथा विरोध करने पर धमकी देने पर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ दुष्कर्म की कोशिश समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदर थाना इलाका गांव की एक युवती ने पुलिस को शिकायत दी है।

महिला के दस्तावेजों का दुरूपयोग, दमामला दर्ज

जींद। फर्जीवाडा कर महिला के दस्तावेजों का दुरूपयोग करने पर शहर थाना सफीदों पुलिस ने दंपत्ति को नामजद कर कुछ अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी, फर्जी कागजातों का सहारा लेने का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पानीपत निवासी डीएन भार्गव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सफीदों निवासी सुरेंद्र तथा उसकी पत्नी सुषमा ने अपनी फर्मों पर फर्जी दस्तावेजों पर लोन लिया हुआ है।

युवती का अपहरण कर किया दुष्कर्म, दो नामजद

जींद। यूपी से युवती का अपहरण कर दो युवकों द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दोनों आरोपितों के खिलाफ अपहरण कर दुष्कर्म करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत जीरो एफआईआर दर्ज कर यूपी पुलिस को भेज दी है। जिला सीतापुर यूपी के तह आने वाले इलाके की एक युवती ने महिला थाना पुलिस को शिकायत दी है।

प्रदेश में खुलेआम हो रहा भ्रष्टाचार : बजरंग गर्ग

जींद। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि प्रदेश के सरकारी विभागों में खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी विभाग में बिना रिश्वत दिए कोई काम नहीं होता। मुख्यमंत्री कहते हैं कि बिना खर्ची और पर्ची के हरियाणा में काम हो रहे हैं जबकि बिना खर्ची सरकारी अधिकारी कोई काम नहीं करते। सरकार को भ्रष्टाचार रोकने के लिए काम करना चाहिए।

स्वयंसेवकों ने किया योगाभ्यास

जींद। लघु सचिवालय स्थित सभागार में मंगलवार को आयोजित समाधान शिविर में एडीसी विवेक आर्य ने नागरिकों की शिकायतों को सुना। समाधान शिविर में कुल 13 शिकायतें आई। इसमें एक शिकायत का मौके पर ही हल कर दिया गया।

जन औषधि केंद्र खुद चलाएगा अस्पताल, प्रोफिट होने पर फिर करेंगे ट्रांसफर

नागरिक अस्पताल के जन औषधि केंद्र को मिली दवाइयां

पीएमओ कार्यालय ने की है दस लाख रुपये बजट की डिमांड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में जन औषधि केंद्र खोलने का सपना धीरे-धीरे साकार होने लगा है। फिलहाल जन औषधि केंद्र में रैक बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा केंद्र के लिए जरूरी दवाइयां भी अस्पताल को उपलब्ध हुई हैं। पहली किश्त में लगभग 70 हजार रुपये की दवाओं की खरीद अस्पताल प्रशासन द्वारा की गई है। वहीं दूसरी किश्त में लगभग एक लाख रुपये की दवाएं भी अस्पताल को जल्द उपलब्ध हो जाएंगी। हालांकि जन औषधि केंद्र को लेकर स्वास्थ्य मुख्यालय से दस लाख बजट की डिमांड की गई है, वो पूरा अभी तक नही मिल पाया है। बावजूद इसके डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला अन्य मदों से उधार पर इस जन औषधि केंद्र को खोलने के लिए जीजान लगाए हुए हैं। जन औषधि केंद्र में रैक व फिटिंग का कार्य जारी : शव गृह के निकट सीएससी के पास 120 स्कवेयर फिट की खाली जगह पर बनाए गए जन औषधि केंद्र में रैक बनाने का कार्य चला हुआ है। यहां शीशे की फिटिंग करवा दी गई है। इसके अलावा बिजली की व्यवस्था की गई है। जल्द ही यहां काउंटर, दवाइयां व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी ताकि इस जन औषधि केंद्र को चलाने में किसी तरह की कोई परेशानी न हो। नागरिक अस्पताल के चीफ फार्मासिस्ट की निगरानी में चलेगा जन औषधि केंद्र : नागरिक अस्पताल में जो जन औषधि केंद्र खोला जा रहा है वह चीफ फार्मासिस्ट की निगरानी में चलेगा। अस्पताल प्रशासन द्वारा पहले इसे स्वयं चलाया जाएगा। बाद में जब इस केंद्र से प्रोफिट आना शुरू होगा तो फिर इसे ट्रांसफर करने का निर्णय लिया जाएगा। केंद्र को चलाने के लिए कमेटी का भी गठन किया जाएगा। नागरिक अस्पताल में 1800 से दो हजार के बीच होती है ओपीडी: नागरिक अस्पताल में 100-100 बैड की दो बिल्डिंग हैं और यहां हर दिन 1800 से दो हजार के बीच ओपीडी होती है। कई बार ऐसा होता है कि वेयरहाउस से समय पर दवाइयां नहीं मिलती। इसके अलावा बजट मिलने में देरी होने के कारण भी दवाइयां खरीदने में देरी हो जाती है। जिससे अस्पताल से मरीजों को सभी दवाइयां नहीं मिल पाती। मजबूरी में मरीजों को बाजार में मेडिकल स्टोर से महंगी कीमत पर दवाइयां खरीदनी पड़ती है। ऐसे में जन औषधि केंद्र अस्पताल में आने वाले मरीजों के लिए बेहद लाभकारी साबित होगा।

जींद। जन औषधि केंद्र में चला हुआ रैक बनाने का कार्य। *फोटो :हरिभूमि*

कम कीमत पर दवाएं उपलब्ध होंगी

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि अस्पताल में प्रधानमंत्री जन औषधी केंद्र के लिए प्रथम चरण में 70 हजार रुपये की दवाइयों की खरीद की गई है। दूसरे चरण में लगभग एक लाख रुपये की दवाएं खरीदी जाएंगी। यहां ब्रांडेड दवाइयों की तुलना में जन औषधि केंद्र पर 50 से 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर दवाएं उपलब्ध होंगी। जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं से सस्ती होती हैं। इससे आमजन को फायदा होगा।

जन औषधि केंद्र के लिए इस बजट की गई है डिमांड

मद	अस्टीमेट बजट
कंप्यूटर सिस्टम विद यूपीएस	डेढ़ लाख
कैमरा	50 हजार
फर्नीचर	एक लाख
फिटिंग	डेढ़ लाख
दवाइयां	साढ़े पांच लाख
कुल	दस लाख

जन औषधी केंद्रों में 1800 प्रकार की दवाइयां और 285 मेडिकल डिवाइस होंगे उपलब्ध

जन औषधी केंद्रों में करीब 1800 प्रकार की दवाइयां और 285 मेडिकल डिवाइस रखे जाने हैं। जिस पर लगभग दस लाख रुपये का खर्च आएगा। इसे स्वास्थ्य विभाग द्वारा ही वहन किया जाएगा। फिलहाल तीन लाख रुपये की मद से जन औषधि केंद्र में कार्य करवाए जा रहे हैं। सारा काम कमेटी व स्वास्थ्य अधिकारियों की देखरेख में हो रहा है।

कैथल। प्राचार्य डा. राजेश सैनी छात्राओं को सम्मानित करते। *फोटो :हरिभूमि*

कैथल : मृदंग कार्यक्रम में छात्राओं ने जमाया रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

श्री कपिल मुनि राजकीय महिला महाविद्यालय, कलायत में उच्चतर शिक्षा विभाग के दिशा निर्देश अनुसार सांस्कृतिक कार्यक्रम /"मृदंग/" का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी मैडम रितु ने बताया कि यह कार्यक्रम दो दिवसीय होता है। हर वर्ष फरवरी माह में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। जिसमें पहले दिन साहित्यिक विधाओं एवं दूसरे दिन मंच के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य बतौर मुख्यातिथि श्री राजेश कुमार सैनी द्वारा मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्वलित करके किया। महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉक्टर रूपेंद्र ने छात्राओं को महाविद्यालय के प्राचार्य बतौर मुख्य अतिथि के परिचय से अवगत करवाते कार्यक्रम में उपस्थित सभी महाविद्यालय परिवार व निर्णायक मंडल का स्वागत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार सैनी ने छात्राओं को संबोधित करते बताया कि महाविद्यालय में समय-समय पर इस तरह की सांस्कृतिक गतिविधियां होती हैं। यह छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत आवश्यक है। छात्राओं को इस तरह के कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए यह आपकी मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक है। अंत में प्राचार्य ने छात्राओं को विभिन्न विधाओं में भाग लेने वाले छात्राओं को शुभकामनाएं दी। नृत्य और संगीत प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ सुभाष (डॉ. बी आर आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय कैथल);जसबीर (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नरवाना) सुश्री रीनू ने निभाई।नृत्य में प्रथम स्थान दीक्षा ,द्वितीय स्थान मुस्कान व तृतीय स्थान सुनैना ने हासिल किया।गायन में प्रथम स्थान गुंजन, द्वितीय स्थान पूजा और तृतीय स्थान मनीषा ने हासिल किया। गौरतलब रहा कि छात्राओं ने रागनियों गा कर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

शार्ट सर्किट से लगी आग चौबारे में रखा सामान राख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

आत्मा नगर में बीती रात शार्ट सर्किट के चलते चौबारे में आग लगने से उसमे रखा फर्नीचर तथा अन्य सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड ने आग पर काबू पाया।

आत्मा नगर निवासी राधेश्याम के चौबारे में बीती देर रात को अचानक आग भड़क उठी। घटना के दौरान राधेश्याम का परिवार नीचे सोया हुआ था। चौबारे की से उठी रही लपटों को देख कर पडोसियों ने राधेश्याम परिवार को अवगत कराया और घटना की सूचना फायर बिग्रेड को दी। जब तक फायर बिग्रेड मौके पर पहुच कर आग पर काबू पाती, तब तक चौबारे में रखा बैड, बिस्तर, फर्नीचर, बिजली उपकरण व अन्य सामान जलकर राख हो चुका था। चौबारे की छत को भी आग से काफी नुकसान पहुंचा है। आशंका जताई जा रही है। कि आग शार्ट सर्किट से लगी है।

जींद। आग से जला सामान। *फोटो :हरिभूमि*

विद्यार्थियों ने सुंदर प्रस्तुतियों से मोहा मन

इंडस जूनियर विंग में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

इंडस पब्लिक स्कूल जूनियर विंग जींद में कक्षा द्वितीय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भव्य प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। निदेशक सुभाष श्योराण, निदेशिका रचना श्योराण, प्राचार्या अरुणा शर्मा, मुख्यअतिथि डा. बनिश गर्ग, विशेष अतिथि सीजेएम मोनिका, लॉ ऑफिसर पवन कुमार, इंडस ग्रुप कोऑर्डिनेटर प्रवीण परूथी, उपप्राचार्य प्रवीण कुमार और अभिभावकगण मौजूद रहे। कार्यक्रम अतुल्य भारत में प्राचीन भारतीय इतिहास से लेकर आज के तकनीकी और वैज्ञानिक विकास को प्रस्तुत किया गया। मुख्यअतिथि डा. बनिश गर्ग ने अपने भाषण में कार्यक्रम की प्रशंसा करते अभिभावकों को बच्चों की सेहत को लेकर बहुमूल्य सुझाव दिए। निदेशक सुभाष ने सभी विद्यार्थियों की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत करने के साथ-साथ इतिहास और संस्कृति को समझने में सहायक होते हैं। प्राचार्या अरुणा शर्मा ने बताया कि आज के युग में हमें अपने बच्चों को समय देना चाहिए और बच्चों को नैतिक मूल्यों के बारे में सिखाना चाहिए। अंत में गुरमीत कौर ने निमंत्रित प्राधिकारियों और सभी अभिभावकों को उनकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद किया और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

डीएन मॉडल स्कूल में मनाया महाशिवरात्रि पर्व

जींद। डीएन मॉडल स्कूल में महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य अवनीश कुमार, प्राचार्या राज रेदू ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सामवेद सदन की प्रभारी सुदेश की देखरेख में बच्चों ने माता पार्वती और शिव रूपी वस्त्र धारण करके नृत्य द्वारा सबको मंत्रमुग्ध कर लिया और कविताओं, भाषणों और भजनों के द्वारा शिव पार्वती की महिमा का बखान किया। विद्यालय के निदेशक वीरेंद्र ढिल्लो ने भारतीय संस्कृति में शिवरात्रि पर्व का महत्व और इस पर्व पर आयोजित होने वाली मान्यताओं का उल्लेख किया करते हुए सभी बच्चों अध्यापको व अभिभावकों को महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

जींदः निकाय चुनाव में भाजपा भारी बहुमत से जीतेगी : टेकराम कंडेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा सहकारी श्रम व निर्माण प्रसंग के पूर्व चेयरमैन व भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता टेकराम कंडेला ने कहा कि हरियाणा में होने वाले निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी। कंडेला ने कहा कि निकाय चुनाव में कांग्रेस का सुपड़ा साफ हो जाएगा। कांग्रेस पार्टी के पास कोई नीति व कोई कार्यक्रम नही है। यह अब सिर्फ गुटों में बंट कर रह गई है। कांग्रेस के कई नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने धुआंधार प्रचार करके भारतीय जनता पार्टी को जीत दीवाने व कलम खिलाने में पूरी तरह सफल होंगे। मुख्यमंत्री की बढ़ती लोकप्रियता से सभी विपक्षी पार्टी घबराई हुई है और उनकी नींद हराम हुई है। किसानों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसान, मजदूर, गरीब आदमी के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। किसानों की फसलें एमएसपी पर बिकती हैं। कंडेला ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उनके शासनकाल में देश को दीमक की तरह खोखला किया है और परिवारवाद की राजनीतिक की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काल में देश की सीमा सुरक्षित हुई है सड़क व रेल तंत्र को मजबूत किया है और किसनों की आय में बढ़ोत्तरी हुई है।

टेकराम कंडेला।

जींद। नाटक देखते छात्राएं। *फोटो :हरिभूमि*

छात्राओं ने देखा अभिज्ञानशाकुंतल्म नाटक

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा महाकवि कालिदास द्वारा विरचित अभिज्ञानशाकुंतल्म नाटक छात्राओं को दिखाया गया। जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्या डा. पूनम मोर द्वारा की गई। इस अवसर पर संस्कृत प्राध्यापिका डा. नीलम रानी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रस्तुत नाटक स्नातक तृतीय वर्ष के दोनों सत्रों में छात्राओं के पाठ्यक्रम में लगा हुआ है, जोकि महाकवि कालिदास का एक प्रसिद्ध संस्कृत नाटक है। जो न केवल साहित्यिक दृष्टि से बल्कि सांस्कृतिक, नैतिक, ऐतिहासिक और शिक्षण की दृष्टिकोण से भी अत्यंत उपयोगी है। यह नाटक संस्कृत साहित्य का एक अद्भुत रत्न है। जिसमें काव्य शैली, अलंकार, रस और सौंदर्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है। इसका अध्ययन करने से संस्कृत भाषा की गहनता और साहित्यिक सौंदर्य की समझ विकसित होती है।

दो दिवसीय 18वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

1500 मीटर रेस में प्रियंका ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राजकीय महिला महाविद्यालय में दो दिवसीय 18वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के अंतिम दिन का शुभारंभ प्राचार्य जयनारायण गहलावत ने किया। संयोजक डा. राजेश बूरा ने बताया कि समापन समारोह की अतिथि पूर्व प्राचार्या पुष्पलता रही। उन्होंने छात्राओं को खेलकूद की महत्ता के बारे में विस्तार से बताया। छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। आज न सिर्फ खेल-प्रतियोगिता हुई बल्कि काफी सारी मनोरंजक प्रतियोगिता भी रखी गई। जिसमें महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने भाग लिया। प्रतियोगिता के अंत में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। यह रहे प्रतियोगिता के परिणामः 1500 मीटर रेस में प्रथम प्रियंका, द्वितीय कॉफी व तृतीय स्वीटी रही। ट्रिप्पल जंप में प्रथम खुशी, द्वितीय काफी व तृतीय निक्कू, 800 मीटर रेस में प्रथम खुशी, द्वितीय रवीना व तृतीय प्रियंका, हाई जंप में प्रथम काफी, द्वितीय खुशी व तृतीय कोमल रही। 200 मीटर रेस में प्रथम काफी, द्वितीय खुशी व तृतीय स्वाति, भाला फैंक में प्रथम अन्नु, द्वितीय स्वाति व तृतीय निक्कू, 4 गुणा 200 मीटर रिले रेस में प्रथम काफी गुरप, द्वितीय राखि ग्रुप व तृतीय संगीता ग्रुप रही। चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी रेस में प्रथम सरोज, द्वितीय कलावती व तृतीय ओमपति, सैक रेस में प्रथम रविना, द्वितीय कॉफी व तृतीय अन्नु रही। श्रीलैग रेस में प्रथम स्वाति ग्रुप, द्वितीय काफी ग्रुप व तृतीय तमन्ना ग्रुप, महिला स्टाफ रेस में प्रथम अनिता, द्वितीय ज्योति व तृतीय दिपाली, चतुर्थ श्रेणी पुरूष कर्मचारी रेस में प्रथम पवन, द्वितीय अनिल व तृतीय संजय, पुरूष स्टाफ रेस में प्रथम गुरदीप, द्वितीय रवि कुमार व तृतीय नवीन, 100 मीटर रेस में प्रथम काफी, द्वितीय प्रियंका व तृतीय खुशी रही। बैस्ट एथलेटिक कॉफी को मुख्यअतिथि ने पुरस्कृत किया।

जींद। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते स्वयंसेवक। *फोटो :हरिभूमि*

स्वयंसेवकों ने किया योगाभ्यास

जींद। राजकीय महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के तीसरे दिन में कार्यक्रम की शुरुआत योगाचार्य सत्यदेव आर्य द्वारा स्वयंसेवकों के योगाभ्यास कार्यक्रम से की गई। उन्होंने स्वयंसेवकों को दिनचर्या के महत्व को काफी बारीकी से समझाया कि किस प्रकार हम अपने शरीर को स्वस्थ बना सकते हैं।

सूचना

मैं, रणधीर सिंह उर्फ धीरा राम पुत्र धनी राम निवासी गांव नौच, तहसील व जिला कैथल बयान करता हूं कि मेरी पुत्री सिया देवी मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

चित्रकार छात्र भीम को किया गया सम्मानित

सफीदों। नगर के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेण्डरी स्कूल के छठी कक्षा के छात्र भीम की अनूठी चित्रकला ने सभी का मन मोह लिया है। उसकी प्रतीभा को परखते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. योगिंद्रपाल सिंह ने उसे निखरने में सहयोग किया। प्रधानाचार्य ने तुरंत छात्र भीम को पेंटिंग किट मंगवाकर भेंट की और उनकी रुचि को प्रोत्साहित करने के लिए कम्प्यूटर कोर्स की व्यवस्था भी करवाई। डा. योगिंद्रपाल सिंह ने कहा कि विद्यालय में ऐसी प्रतिभाओं को निखारने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय में भूख हड़ताल जारी

जींद। विश्वविद्यालय प्रशासन अपनी कमियों को छुपाने के लिए छात्रों की शिक्षा के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ कर रहा है। छात्र नेता प्रथम गोविंद सैनी अभिषेक जुलाना का कहना है कि प्रशासन केवल पहले की तरह मौखिक रूप से मांगों को पूरी करने का आश्वासन दे रहा है, अभी तक केवल किचन का अर्थात लैब का ही समान वह भी सीमित मात्रा में छात्रों के दबाव के कारण लाया गया है। छात्र नेता अभिषेक जुलाना ने कहा है की जो मांगे पर विश्वविद्यालय प्रशासन हमें मौखिक रूप में दे रहा है, उन्हें केवल लिखित रूप में दें तो भूख हड़ताल समाप्त कर लेंगे अन्यथा पीछे नहीं हटेंगे।

एथलेटिक जूते डिजाइन एक नवाचार : डॉ. जितेंद्र

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डा. जितेंद्र कुमार, कृष्ण कुमार (शोधार्थी) की टीम ने विषय क्रांतिकारी एथलेटिक जूते डिजाइनए एक नवाचार पेटेंट हुआ है। एर्गोनोमिक डिजाइन सिद्धांतों में अंतरराष्ट्रीय डिजाइन वर्गीकरण संस्करणजूते और जुराब के तहत वर्गीकृत डिजाइन तैयार किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य एथलेटिक फुटवियर में आराम और प्रदर्शन मानकों को फिर से परिभाषित करेगा यूके में बौद्धिक संपदा कार्यालय द्वारा दिया गया। यह प्रमाण पत्र स्पोर्ट्स वियर की दुनिया में सफलता का प्रतीक होगा।

महाशिवरात्रि आज, जींद में सजे शिवालय, सुबह 6:47 बजे से जलाभिषेक

- श्रद्धालुओं के लिए विशेष कदम उठाए गए, नहीं होगी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर जिलाभर के शिवालय पूरी तरह से सज गए हैं। महाशिवरात्रि को लेकर मंदिरों में चल रही तैयारियों से वातावरण भी शिवमय हो गया है। बुधवार को तड़के से ही बम भोले के जयघोष गूंजने लगेंगे और यह क्रम पूरे दिन जारी रहेगा। महाशिवरात्रि पर्व को देखते हुए मंदिरों की विशेष साज सज्जा की गई है। स्थानीय मंदिरों में जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो, इसके लिए विशेष कदम उठाए गए हैं। इस दौरान शिवभक्त हरिद्वार से गंगा जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करेंगे। इस बार महाशिवरात्रि पर्व पर श्रवण नक्षत्र, बुधादित्य, त्रिग्रही योग का निर्माण हो रहा है। इन तीनों योगों का एक ही दिन पर बनना अद्भुत संयोग है। श्रवण नक्षत्र इस दिन सुबह से लेकर शाम 5:08 बजे तक प्रभावी रहेगा। इसी दिन बुध, शनि और सूर्य तीनों कुंभ राशि में विराजमान होंगे। ऐसे में बुधादित्य योग, त्रिग्रही योग बन रहा है।

जींद। भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हुए श्रद्धालु। *फोटो :हरिभूमि*

ऐसे करें पूजा

ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती की पूजा-पाठ करने से भक्तों के जीवन में खुशहाली आती है। यह शुभ अवसर 26 फरवरी को सुबह 11:08 बजे से 27 फरवरी को प्रातः 8:54 बजे तक रहेगा। महाशिवरात्रि की पूजा चार प्रहर में की जा सकती है। प्रथम प्रहर में भगवान शिव का दूध से अभिषेक किया जा सकता है। दूसरे प्रहर में दही से अभिषेक, तीसरे प्रहर में देशी घी से अभिषेक और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक किया जा सकता है। महाशिवरात्रि के दिन शिव स्तुति, शिव मंत्र, शिव सहस्रनाम, शिव चालीसा, शिव तांडव, रुद्राष्टक, शिव पुराण और शिव आरती गाना अत्यधिक फलदायी माने जाते हैं।

जींद। जयंती देवी मंदिर में शिवलिंग पर किया गया श्रृंगार।

जलाभिषेक के लिए समय

प्रातःकालीन मुहूर्त: 6:47 बजे से 9:42 बजे तक।
मध्यान्ह मुहूर्त: 11:06 बजे से 12:35 बजे तक।
संध्याकालीन मुहूर्त: 3:25 बजे से 6:08 बजे तक।
रात्रिकालीन मुहूर्त: 8:54 बजे से 12:01 बजे तक।

जयंती देवी मंदिर में रूद्राभिषेक होगा

जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि भगवान शिव की पूजा करते वक्त बिल्व पत्र, शहद, दूध, दही, शक्कर और गंगाजल से अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से सारी समस्याएं दूर होती हैं और मांगी हुई मुराद भी पूरी होती है। हर बार की तरह इस बार भी महाशिवरात्रि पर्व विशेष फलदायी है। भगवान शिव की विधि-विधान पूर्वक पूजा करने तथा व्रत रखने से विशेष फल मिलेगा। महाशिवरात्रि पर्व पर रूद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। भगवान शिव का दूध,दही, शहद और जल से अभिषेक और पूजन, स्तुतिगान किया जाएगा। महाशिवरात्रि पर्व पर चारों पहर की पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ अभिषेक भी किया जाएगा। वहीं महाशिवरात्रि पर्व पर सफीदों गेट जींद शहर के प्राचीन भूतेश्वर मंदिर में भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

व्रतधारियों के लिए बनेगी खीर

महाभारत कालीन जयंती देवी मंदिर में भगवान शिवजी का व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए सामकिये की खीर के प्रबंध में श्रद्धालु तैयारी करते हुए नजर आए। मंदिर पुजारी नवीन कुमार शास्त्री ने बताया कि मंदिर में सामकिये की तीन क्विंटल खीर बनाई जाएगी। मंदिर में चार प्रहर की पूजा की जाएगी। इसके अलावा रूद्राभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

एनआईआईएलएम विश्वविद्यालय में एथलीट मीट का आयोजन

167 प्रतिभागियों ने दिखाया दमखम, शुभम और पिंकी को बेस्ट एथलीट का खिताब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

खेल हमारे जीवन की आवश्यकता है। स्वस्थ शरीर और दिमाग विकसित करने में खेल अहम भूमिका निभाते हैं। बच्चे हो या बड़े हमें खेल में भाग लेना चाहिए क्योंकि यह सभी की शारीरिक क्षमता और कौशल को विकसित करने और बनाए रखने में कारगर हैं। यह वक्तव्य एन आई आई एल एम विश्वविद्यालय कैथल के कुलपति प्रोफेसर डॉ शमीम अहमद ने आज खेल परिसर आयोजित एथलीट मीट में बतौर मुख्यातिथि शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए।

इस खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि ने विद्यार्थियों को पूरे जोश एवं उत्साह के साथ इस खेल प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रो. डॉ शमीम अहमद ने दैनिक जीवन में खेल की महत्ता से अवगत करवाते हुए विद्यार्थियों को किसी एक खेल से जुड़ने के लिए मोटीवेट किया।

प्रो. डॉ. शमीम अहमद ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल भी व्यक्तित्व विकास में महत्ती भूमिका निभाते हैं। खेल से नेतृत्व विकास, आत्म विश्वास, सहयोग भावना जैसे गुणों का विकास होता है, जो जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए जरूरी हैं।

उन्होंने इस एथलीट मीट में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इसके साथ साथ इस एथलीट मीट के आयोजन के लिए एथलीट मीट कन्वीनर डॉ.रवि गहलावत और उनकी टीम की भी सराहना की और भविष्य में भी इस तरह के आयोजन आयोजित करने के लिए प्रेरित किया। एथलीट मीट के सचिव डॉक्टर बलविंदर सिंह ने प्रारंभ में इस एथलीट मीट के आयोजन उद्देश्य एवं रूपरेखा पर प्रकाश डाला। डा. एकता चहल ने मंच संचालन का दायित्व बखूबी निभाया। एथलीट मीट कन्वीनर डॉ रवि गहलावत ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस एथलीट मीट में शुभम स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर से लड़कों के वर्ग में बेस्ट एथलीट रहा और लड़कियों के वर्ग में पिंकी बेस्ट एथलीट रही। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इस एथलीट मीट की ओवरऑल ट्रॉफी स्कूल आफ साइंसेज को मिली। विश्वविद्यालय की मीट में 167 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह जानकारी विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने दी।

कैथल। कुलपति प्रोफेसर डॉ शमीम अहमद खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय चेयरमैन संदीप चहल, विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉक्टर राजीव दहिया, डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर डॉ आर के गुप्ता, डीन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट डॉक्टर रेखा, डॉ विकासदीप कोहली, डॉ महेंद्र मुंडे, डॉ मुकेश राणा, डॉ आकाश दत्त, डॉ ऋचा मोर, डॉ सुमन भुक्कल, डॉ अमृत सोनी, डॉ . सोनम, डॉ दीपक गॉड,डॉ रविंद्र पांडे, डॉक्टर राजेश पांडे,डॉक्टर मोहम्मद इसाक, डॉक्टर पॉपीन डॉ अनिल दहिया ,डॉ गीतांजलि ,डॉक्टर उषा गुप्ता, डॉ सोनू, प्राध्यापक अमरजीत मोर,अरविंद शयोराण श्रमित कौर, नताशा, डॉ पंकज कुमार , एवं सभी विभागो के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

इस एथलीट मीट में दौड़ भाला फेंक लॉन्ग जंप रस्साकसी आदि विभिन्न खेल स्पधार्ओं में विद्याथीयों ने भाग लिया।

कैथल। छात्राओं को संबोधित करती डा. शीला देवी। *फोटो :हरिभूमि*

युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा होना जरूरी : शीला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कपिल मुनि राजकीय महिला महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल के अंतर्गत प्लेसमेंट सेल द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का आयोजन प्लेसमेंट सेल प्रभारी शीला देवी के नेतृत्व में किया गया ।इस व्याख्यान में महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को साक्षात्कार के लिए तैयार करने पर बल दिया गया। व्याख्यान के शुरूआत में प्राचार्य श्री राजेश कुमार सैनी ने ओम यूनिवर्सिटी से आई पूरी टीम का अभिनंदन करते हुए छात्राओं को समझाया कि आज के युग में सभी युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा होना बहुत आवश्यक है विशेष कर महिलाओं का। इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ हमें अपने करियर की भी चिंता करनी और इस तरह की व्याख्यान छात्राओं के लिए ही करवाए जाते हैं। इसमें छात्राओं को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस व्याख्यान में छात्राओं को सबसे पहले यह सिखाया गया कि रिज्यूम किस तरह तैयार किया जाता है ।उसके बाद ड्रेसिंग सेंस व साक्षात्कार कौशल सहित विभिन्न विषयों से अवगत करवाया गया। उन्होंने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ओम यूनिवर्सिटी में लगने वाले सभी जॉब फेयर में अपनी उपस्थिति जरूर दर्ज करवाएं।

उन्होंने बताया कि अप्रैल के प्रथम सप्ताह में लगभग 19 कंपनिया ओम यूनिवर्सिटी में जॉब फेयर लगा रही है जिसमें छात्राओं के लिए सुनहरा अवसर है। ओम यूनिवर्सिटी से श्री मेवा सिंह , रितु , अशोक व मनोज कुमार ने महाविद्यालय में शिरकत की।

कैथल। जागरूकता रैली निकालते जाट कालेज के स्वयं सेवक।

जाट पीजी महाविद्यालय में एनएसएस सेवकों ने जन चेतना जागृति अभियान चलाया

कैथल। जाट पीजी महाविद्यालय कैथल के स्वयं सेवकों का सात दिवसीय कैंप के तीसरे दिन का शुभारंभ प्रातः योग्य अभ्यास से शुरू हुआ। तत्पश्चात जन चेतना जागृति अभियान शुरू किया गया। इस अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में जाट पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर दिनेश कुमार ढिल्लो ने शिरकत किया। स्वयं सेवकों ने इस अभियान के तहत रैली निकाली। प्राचार्य महोदय ने रैली को हरि झंडी दे कर रवाना किया। जन चेतना जागृति रैली जाट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से शुरू होकर आई,जी महाविद्यालय, पेहवा चौक, सर छोटूराम चौक, आरकेएसडी,पीजी कॉलेज, अंबाला रोड के रास्ते होते हुए विश्वकर्मा चौक, नेहरू गार्डन, ऋषि नगर से होते हुई जिला सचिवालय के रास्ते से अपने समापन स्थान तक पहुंची। दोपहर को भोजन किया गया। सायं कल के सत्र में डॉक्टर गुरप्रीत ने सभी स्वयं सेवकों को स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न रोगो के बारे में बताया एवं उनके उपचार के तरीके बताए। इस अवसर पर एनएसएस प्रोग्राम अधिकारी डॉ लाभ सिंह चौहान, डॉ कर्मवीर सिंह, डॉ विकास नैन, डॉ राजेश बनवाला, प्रो अजय सिंह, प्रो सुशील मलिक आदि मौजूद रहे।

गांव फतेहपुर के राजेश धीमान बने इंस्पेक्टर, सीएम के साथ है ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

गांव फतेहपुर के रहने वाले राजेश धीमान को इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत किया गया है। वे हरियाणा के मुख्यमंत्री के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट कार्यशैली को देखते हुए उन्हें यह प्रमोशन दिया गया है और खुद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने राजेश धीमान के कंधे पर स्टार लगाकर उन्हें सम्मानित किया।

राजेश धीमान की इस उपलब्धि पर गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों और परिवारजनों ने मिठाइयां बांटकर उनकी सफलता का जश्न मनाया। उनके करीबी लोगों का कहना है कि राजेश धीमान शुरू से ही अपनी ड्यूटी के प्रति समर्पित रहे हैं और इसी मेहनत का परिणाम है कि आज उन्हें यह सम्मान मिला है। उनकी इस सफलता पर क्षेत्र के गण्यमान्य व्यक्ति मदन हजवाना, आशु गोयल, प्रदीप भुक्कल, नसीब पबनावा, संदीप उप्पल, अजीत बख्शी और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है। राजेश धीमान ने अपने प्रमोशन का श्रेय अपने वरिष्ठ अधिकारियों, परिवार और गांव के लोगों को दिया और कहा कि वे इसी तरह ईमानदारी और मेहनत से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे।

कैथल। राजेश धीमान के कंधे पर स्टार लगाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

एसडीएम ने सुनी शिकायतें

नरवाना। जनसाधारण की समस्याओं का समाधान अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी अधिकारियों का विशेष फोकस रहे कि अपने.अपने विभाग से संबंधित सरकार द्वारा प्रदत्त योजनाओं का पात्र व्यक्ति को लाभ मिलना लाजमी बने। यह निर्देश एसडीएम जगदीश चंद्र ने समाधान शिविर में लोगों की शिकायतें सुनते हुए अधिकारियों को दिए। स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में मंगलवार को आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम ने कहा कि राज्य सरकार अंतोदय कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में समाज के गरीब तबकों एवं आमजन के जीवन स्तर में सुधार के लिए लगातार कार्यक्रम बनाए जा रहे हैं। कार्यक्रमों की सार्थकता अधिकारियों की निष्ठापूर्ण जवाबदेही एवं पारदर्शी कार्यशैली पर निर्भर करती है। लिहाजा सभी अधिकारी सरकारी सुविधाओं एवं सेवाओं को पात्र व्यक्ति तक संजीदगी एवं ईमानदारी से पहुंचाने का प्रयास करें। एसडीएम श्री चंद्र ने बताया कि समाधान शिविर के प्रति लोगों का रुझान दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है।

परिवार पहचान पत्र की समस्याओं के लिए विशेष कैंप लगाया

पूंडरी। पी.पी.पी. से संबंधित शिविर के दौरान मंचासीन विधायक सतपाल जांबा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय पूंडरी में 25 से 28 फरवरी तक प्रातः 9 से शाम 5 बजे तक परिवार पहचान पत्र (पी.पी.पी.) से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस पहल का श्रेय विधायक सतपाल जांबा को जाता है, जिन्होंने क्षेत्रवासियों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए इस शिविर के आयोजन की सिफारिश की। इस कैंप का उद्देश्य नागरिकों को परिवार पहचान पत्र में सुधार, नए नाम जोडने, पुराने नाम हटाने, गलतियों को ठीक कराने और अन्य संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान करना है। विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि हर नागरिक को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। परिवार पहचान पत्र से जुड़ी समस्याओं के कारण कई जरूरतमंद लोगों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने इस विशेष कैंप की व्यवस्था करवाई है, ताकि जनता को परेशानी न हो और उन्हें अपने दस्तावेजों में सुधार के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस विशेष शिविर में पंचायत विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहेंगे, जो लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान मौके पर ही करने का प्रयास करेंगे। इसके अलावा, अधिकारियों द्वारा परिवार पहचान पत्र से संबंधित नई सरकारी नीतियों की जानकारी भी नागरिकों को दी जाएगी।

लघु सचिवालय में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में बोलीं डीसी प्रीति

अधिकारी स्वयं भी सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

डीसी प्रीति ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक गंभीर मुद्दा है, क्योंकि यह लोगों के बहुमूल्य जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी संबंधित अधिकारी इस विषय को हलके में न लें और जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाएं। सभी अधिकारी स्वयं भी सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें तथा उनके कार्यालय में आने वाले लोगों को भी समझाएं। इसके अलावा अपने-अपने विभाग की सड़कों को दुरूस्त करने सहित अन्य सुरक्षा के इंतजाम सुनिश्चित करें। सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में सभी अध्यापक स्कूल में बाइक से आते समय हेलमेट व गाड़ी में सीट बेल्ट का उपयोग करें। हम सभी को मिलकर सड़क सुरक्षा मुहीम को जन-जन तक पहुंचाना है। डीसी प्रीति मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही थी। डीसी ने तीनों उपमंडलों कैथल, कलायत व गुहला के एसडीएम को निर्देश दिए कि वे सड़क सुरक्षा विषय को गंभीरता से लेते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाएं। अभी भी जिन स्कूल बसों में सुरक्षित वाहन पॉलिसी के मानकों को पूरा नहीं किया जा रहा, उनको इंपाउंड किया जाए। उन्होंने कहा कि वे आरटीए व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम के साथ ब्लैक स्पॉट को चिन्हित करें और आगामी बैठक में एजेंडे में शामिल करवाएं, ताकि कमियों को दूर करवाने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा सकें। इसके साथ ही प्रदूषण जांच केंद्रों का निरीक्षण करें।

कैथल। डीसी प्रीति अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए।

डीईओ चेक करें कि अध्यापक हेलमेट पहनते हैं या नहीं

उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि वे सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में यह सुनिश्चित करें कि सभी अध्यापक स्कूल में बाइक से आते समय हेलमेट व गाड़ी में सीट बेल्ट का उपयोग करें। आरटीए गिरीश कुमार ने बताया कि जनवरी माह में पुलिस की ओर से 2353 चालान किए हैं और 27 लाख 16 हजार 700 रुपये वसूल किए गए। इसके साथ ही आरटीए की टीमों द्वारा 125 चालान किए गए, जिसमें 28 लाख 82 हजार रुपये का जुमार्ना वसूल किया गया। इस मौके पर एसडीएम अजय सिंह, गुहला के एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह आदि मौजूद रहे।

सिसला धाम में फाल्गुन महोत्सव की धूम, 1 से 14 मार्च तक होंगे कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

कुरुक्षेत्र की 48 कोस की परिधि में स्थित शीश दान भूमि सिसला धाम में हर वर्ष की भांति इस बार भी फाल्गुन महोत्सव बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। यह भव्य आयोजन 1 मार्च से 14 मार्च तक चलेगा, जिसमें देशभर से श्रद्धालु पहुंचेंगे और आमंत्रित कलाकार बाबा सिसला श्याम के दरबार में अपनी हाजिरी लगाएंगे। 1 मार्च को बाबा श्याम की मेहंदी के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। श्रद्धालु पारंपरिक रीति-रिवाजों से मेहंदी का आयोजन करेंगे। 2 मार्च को भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें श्रद्धालु निशान लेकर बाबा के दरबार में पहुंचेंगे और श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। 3 से 9 मार्च को नियमित संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भक्तगण भक्ति गीतों और संकीर्तन के माध्यम से बाबा का गुणगान करेंगे। 10 मार्च को हवन-यज्ञ एवं विशाल भंडारा आयोजित होगा। इस दिन विशेष रूप से बाबा का भव्य संकीर्तन होगा, जिसमें लाखों श्रद्धालु बाबा सिसला श्याम के दर्शन करेंगे और प्रसाद ग्रहण करेंगे, जिसके लिए काफी प्रसिद्ध कलाकार आमंत्रित किए गए हैं जोकि अलग-अलग दिन अपनी प्रस्तुति देंगे। 11 और 12 मार्च को संकीर्तन कार्यक्रम होंगे।

पूंडरी। जानकारी देते हुए वीर बर्बरीक श्याम ट्रस्ट सिसला धाम के पदाधिकारी।